

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 3107-दो/14

जिला नरसिंहपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों के हस्ताक्षर
०२-०६-१५	<p>यह निगरानी म०प्र० भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे केवल संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के अन्तर्गत तहसीलदार, गाडरवारा जिला नरसिंहपुर प्रकरण क्रमांक ९४९/१३-१४ में पारित आदेश दिनांक निल से अरान्तुष्ट होकर प्रस्तुत की गयी है।</p> <p>2/ मैंने प्रकरण का अवलोकन किया तथा विव्दान अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर गम्भीरतापूर्वक विचार किया। आवेदक के अभिभाषक का तर्क है कि आवेदक ने कॉलोनीनाइजर का लायसेन्स दिनांक 18-02-2013 का रखीकृत किया गया है तथा दिनांक 13-08-13 को कृषि भिन्न आशय में भूमि परिवर्तित किये जाने बावत आदेश पारित किया गया है। टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग द्वारा दिनांक 13-08-14 को विधिवत एन ओ सी प्रदान की गयी है। आवेदक द्वारा विद्युत मण्डल, लोक निर्माण विभाग तथा पी एच ई, नजूल तथा नगरपालिका आदि से एन ओ सी प्राप्त की गयी है। उनका तर्क है कि प्रश्नाधीन भूमि कृषि भूमि नहीं है, इसलिये तहसीलदार को प्रकरण सुनने</p>	

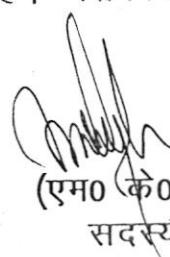
की अधिकारिता नहीं है। उनका यह भी तर्क है कि पटवारी द्वारा जो नक्शा ट्रेस जारी किया गया है, उसमें रास्ता ही नहीं है, फिर भी तहसीलदार द्वारा रास्ते के आधार पर स्थग्न आदेश प्रदान करने में गलती की है। अतः उन्होंने निगरानी स्वीकार करने का अनुरोध किया है।

3/ अनावेदक अभिभाषक का तर्क है कि आवेदक द्वारा लड़िगत रास्ते पर पक्की दीवाल का निर्माण करं रास्ता अवरुद्ध किया जा रहा है, इसलिये तहसीलदार द्वारा स्थगन आदेश जारी करने में कोई गलती नहीं की है। अतः उन्होंने निगरानी खारिज करने का अनुरोध किया।

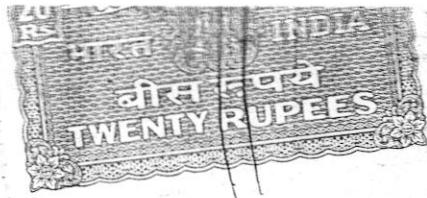
4/ तहसीलदार के आदेश से स्पष्ट है कि अनावेदक के संहिता की धारा 32 के आवेदनपत्र के आधार पर तहसीलदार, गाड़रखारा द्वारा विवादित भूमि पर दीवाल निर्माण एवं शासकीय भूमि पर सड़क निर्माण करने पर तत्काल प्रभाव से स्थगन आदेश दिये हैं, किन्तु तहसीलदार द्वारा संहिता की धारा 32 के अन्तर्गत आदेश पारित करने के पूर्व ना तो पटवारी/राजस्व निरीक्षक से जॉच प्रतिवेदन प्राप्त किया गया और ना ही स्वयं स्थल निरीक्षण किया गया। आवेदनकर्ता अनावेदक जगदीश कुमार के आवेदनपत्र के आधार पर बिना जॉच किये एवं आवेदक प्रकाशचन्द को सुनवायी का अवसर दिये बिना तहसीलदार द्वारा

स्थगन आदेश पारित किया गया है जो ना तो विधि संगत है और ना ही नैसर्गिक न्याय सिधान्त के अनुसार है। आवेदक द्वारा इस न्यायालय में यह भी आपत्ति प्रस्तुत की गयी है कि प्रश्नाधीन भूमि कृषि भूमि नहीं है, इसलिये तहसीलदार को प्रकरण सुनवायी का क्षेत्राधिकार नहीं है, आवेदक द्वारा अपने स्वत्व की भूमि आवासीय प्रयोजन हेतु परिवर्तित करायी गयी है और इस पर विधिवत विभिन्न विभागों की अनापत्ति प्रमाणपत्र आदि प्राप्त किये गये हैं, इसलिये तहसीलदार, गाड़रवारा जिला नरसिंहपुर प्रकरण क्रमांक 949/13-14 में की जा रही कार्यवाही समाप्त की जाती है।

5/ उक्त विवेचना के आधार पर निगरानी आवेदन स्वीकार किया जाता है और तहसीलदार का प्रकरण क्रमांक 949/13-14 में की जा रही कार्यवाही निरस्त की जाती है। पक्षकार सूचित हों। प्रकरण समाप्त हों।



(एम० के० सिंह)
सदस्य



रु 16.9.14 वा.
नवलिल बाजार को
प्रमाणित हुआ
28
16.9.14

न्यायालय श्रीमान् मुख्य नियंत्रक राजस्व प्राधिकारी महोदय,
राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियार

R - 3107 - ॥ १६

श्री प्रकाशचन्द्र पिता श्री अयोध्याप्रसादजी विश्नोई, आयु 72 वर्ष
निवासी प्रताप वार्ड गाडरवाड़ा जिला नरसिंहपुर
प्रार्थी

विरुद्ध

1. श्री जगदीशकुमार पिता बाबुलालजी विश्नोई
निवासी ग्राम पतलोन तेहसील गाडरवाड़ा जिला नरसिंहपुर
2. म.प्र. शासन द्वारा तेहसीलदार गाडरवाड़ा जिला नरसिंहपुर
प्रतिप्रार्थी

D
Reheat
16/9/14

—निगरानी अन्तर्गत धारा 50 मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता—
—निगरानी बनाराजगी आदेश दिनांक निल जो प्रकरण क्रमांक 949 / 13-14
जावक क्रमांक 1337 / प्रस्तु. / तेह. / 2014 दिनांक 10.07.2014 में न्यायालय श्रीमान्
तेहसीलदार महोदय गाडरवाड़ा जिला नरसिंहपुर द्वारा पारित किया है, से असंतुष्ट होकर—

मान्यवर महोदय,

प्रार्थी यह निगरानी आवेदन पत्र न्यायालय श्रीमान् तेहसीलदार महोदय गाडरवाड़ा जिला नरसिंहपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 1949 / 13-14 में दिनांक 105.07.2014 को जो आदेश स्थगन बावत् पारित किया है, उससे असंतुष्ट होकर अन्य आधारो के अतिरिक्त निम्न आधारो पर यह निगरानी आवेदन पत्र प्रस्तुत करता है—

16/9/14

प्रकरण का संक्षिप्त स्वरूप इस प्रकार हैं प्रतिप्रार्थी जो मूल आवेदन पत्र में आवेदक हैं, जगदीश पिता बाबुलालजी विश्नोई द्वारा ग्राम पतलोन पटवारी हल्का नंबर 18/1 रिथित खसरा नंबर 92/47 रकबा 0.984 हैक्टर भूमि से लगी हुई झलकन विश्नोई, दिलीप उर्फ प्रदीप विश्नोई, राजेन्द्र विश्नोई एवं गायत्रीदेवी बेवा चुन्नीलालजी विश्नोई की भूमियाँ क्रमशः खसरा नंबर 92/47, 02/45, 92/48, 92/46, 92/1, 93/1 एवं 92/49 की भूमियाँ लगी हैं, तथा उक्त भूमियों पर पहुँचने के लिये एकमात्र रास्ता स्टेशनरोड रिथित पावर हाउस एवं शासयकी बालक उच्चतर माध्यमिक विधालय के मध्य से लगा हुवा है, तथा उसका उपयोग प्रतिप्रार्थी व अन्य कृष्णक आने जाने के लिये कर रहे हैं, प्रतिप्रार्थी का यह भी कहना है कि उक्त रास्तों को खुदवा कर समस्तल कर दिया गया है, तथा काश्तकारी खेतों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न हो रही हैं।

D. M. Shinde